[श्री रवि शंकर प्रसाद]

आए थे, तो उनको क्यों बुलाया गया, भारत सरकार ने सख्ती के साथ अपना पक्ष क्यों नहीं रखा और उनको क्यों नहीं बताया कि इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना वक्तव्य स्वीकार्य नहीं हैं? हम आपसे इसका उत्तर जानना चाहते हैं, कृपया मंत्री जी बताएं।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे सम्बद्ध करती हूं।

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, उनको बताना पड़ेगा।...**(व्यवधान)**... यह बहुत गंभीर मामला है।...**(व्यवधान)**...

श्री थावर चन्द गहलोत (मध्य प्रदेश): सर, देश की जनता जानना चाहती है...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : श्री संजीव कुमार।...**(व्यवधान)**... आप लोग बैठिए।...**(व्यवधान)**... आप लोग बैठिए। मंत्री जी बोल रहे हैं।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI RAJEEV SHUKLA): Mr. Deputy Chairman, Sir, since the Deputy Leader of the main Opposition Party has raised this issue, the hon. Home Minister is likely to make a statement on the visit of Shri Rehman Malik. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Let them condemn the statement. ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : श्री संजीव कुमार।...**(व्यवधान)**... Nothing else will go on record.

Problems faced by people of Dhanbad due to day and night transportation of Coal against guidelines by Maithen Power Limited

श्री संजीव कुमार (झारखंड) : उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन और सरकार का ध्यान झारखंड के धनबाद एवं मैथन के लोगों की एमपीएल के कारण हो रही दयनीय जिन्दगी की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। इस क्रम में मैं वहां के लेखों विस्थापितों के साथ जो अन्याय हुआ है, उसे भी इस सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूं।

महोदय, एमपीएल डीवीसी और टाटा का एक ज्वायंट वेंचर है। यह 1,050 मेगावाट बिजली उत्पादन करने की क्षमता रखता है। इसमें रोज करीब 11 हजार टन कोयला झोंका जाता है। इसमें जो ट्रक्स यूज किए जाते हैं, उसके ड्राइवर्स ट्रेंड नहीं होते हैं। मैथन और धनबाद के आसपास के इलाके के सब जलाशय, तालाब, कुएं और नदी पॉल्युट हो चुके हैं। जब कोयला ढोया जाता है, तब उसे सुरक्षित तरीके से नहीं लाया जाता है, जिसके चलते बहुत ज्यादा

पॉल्युशन फैलता है। वहां के लोग इस पॉल्युशन के चलते टीबी, अस्थमा और कैंसर के मरीज होते जा रहे हैं। वहां हॉस्पिटल की कोई व्यवस्था नहीं है। कोल इंडिया का एक हॉस्पिटल, सेंट्रल हॉस्पिटल, धनबाद में था, जो राजनीतिक कारण से बिल्कुल जर्जर हालत में है।

जहां तक विस्थापितों की बात है, एमपीएल बनने के दौरान विस्थापितों के साथ जो वादा किया गया था, उसे बिल्कुल पूरा नहीं किया गया है। विस्थापितों को उनका प्रॉपर मुआवजा नहीं मिला है। जो सड़क, स्कूल और कॉलेज खोलने की बातें की गई थीं, उन्हें बिल्कुल पूरा नहीं किया गया है। लोगों को नहाने और पीने का पानी बिल्कुल नहीं मिल रहा है। एमपीएल को मैथन से पानी मिल जाता है, लेकिन वहां के लोगों की हालत बहुत खराब है। वहां लोग असंतुष्ट हैं। वहां कभी भी कोई पब्लिक एजिटेशन हो सकता है।

इसलिए मैं मांग करता हूं कि मैंने वहां की जो प्रॉब्लम उठाई है, उसे केन्द्र सरकार अपने संज्ञान में ले और उसे दूर करने की कोशिश करे। धन्यवाद।

डा. चंदन मित्रा (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री जय प्रकाश नारायण सिंह (झारखंड) : महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

Compensation for farmers and labourers in Tamil Nadu due to heavy power cuts in the State

DR. K.P. RAMALINGAM (Tamil Nadu): Mr. Deputy Chairman, Sir, I am standing before you in full light, but my State is in darkness. Tamil Nadu reels under darkness due to severe and frequent power shedding. Daily, there is power cut for 16 to 20 hours because of which the people of Tamil Nadu are suffering a lot.

Businessmen, traders and people belonging to every walk of life are forced to bear the brunt of severe power cuts and are facing several problems. Because of erratic power supply, 24 textile mills have been closed and other industries are not able to produce things to their full capacity. In Coimbatore, Erode, Tirupur and Namakkal out of 40,000 industrial units, nearly 5,000 units have already been closed. Moreover, two lakh acres of agriculture land is left uncultivated. Nearly 50 lakh labourers have lost their jobs. Major cities like Madurai, Trichy, Tirunelveli, Salem and other cities are also facing the same situation. The industrial estate spread across the State in various districts face a very critical situation due to frequent power cuts. The situation has worsened to such an extent that survival has become very difficult and people are forced to live in dark world.